सादर प्रकाशनार्थ,

सात दिवसीय अनंत सुख अनुभूति शिविर का शुभारम्भ

कोरबाः13.06.2017–प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व–विद्यालय के तत्वाधान में सात–दिवसीय अनंत सुख अनुभूति शिविर का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन कर ब्रह्माकुमारीज टी.पी.नगर कोरबा में गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया। ब्रह्माकुमार हरिहर मुखर्जी ने काल चक पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समय का पंक्षी उड़ता जा रहा है लेकिन वह किसी बड़े परिवर्तन का संदेश दे रहा है। धर्म ग्लानि का अंधेरा चंहु ओर छाया हुआ है, लेकिन सतयुगी सुख का सबेरा आपको देखकर मुस्करा रहा है, कुछ संदेश दे रहा है। श्रीमद् भागवद् गीता में भी ईश्वर का वायदा है कि धर्म ग्लानि के समय, मैं इस धरा पर आकर अनेक धर्मों का विनाश और एक धर्म की स्थापना करता हूॅ। आपने कहा कि आध्यात्म में स्वास्तिका का चिन्ह एक विशेष महत्व रखता है। उसके मुख्य चार भाग हैं जो कि समय चक मे चार पहर वा युग का संकेत देते हैं। कलियुग के बाद नये सतयुग का ही सबेरा आता हैं। जहां देवी देवताओं का स्वर्णिम संसार होता है। यही ईश्वर की प्रथम रचना है, जहॉ सम्पूर्ण सुख व अनंत सुख होता है। ऐसे संसार में जाने के लिये हमें अपने मन में सकारात्मक चिन्तन कर अपने चिन्तन की धारा बदलनी होगी। भ्राता पी.आजाद राजू मुख्य शाखा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक कोरबा ने कहा कि बेहतर समाज की स्थापना के लिये हमें एक बेहतर नागरिक बनना आवश्यक है। इसके लिये हमारा मन के स्वस्थ होने के साथ–साथ तन का स्वस्थ होना भी आवश्यक है। मन के स्वास्थ्य के लिये आध्यात्म और तन की तनदुरूस्ती के लिये योग का अभ्यास करना आवश्यक है। इस कार्यकम में हमें दोनों ही लाभ मिलेगें। बहन इन्दु शर्मा अध्यक्षा गौमुखी सेवाधाम देवपहरी ने कहा कि आज सुख की खोज में हर इंसान भटक रहा है, संसार सागर, धन–संसाधन में सुख खोज रहा है। वह दूसरों का परिवर्तन करना चाहता है। मैं भी शिक्षिका रहीं हूॅ और दूसरों को ही हमेशा शिक्षा देती रही हूॅ। लेकिन यहॉ मुझे यह महसूस हो रहा है कि कहीं न कहीं स्वयं को बदलने की आवश्यकता है। स्वयं के मन को समझाने की आवश्यकता है। ब्रह्माकुमारी रूकमणी बहन संचालिका कोरबा सेवाकेन्द्र ने कहा कि राजयोग एक बहुत ही सहज विधि है, अपने ही आप मन से बातें करने की, अपने आप को बेहतर शिक्षा देने की और अपने मनोबल को बढ़ाकर जीवन में अनंत सुख पाने की। शिविर में गणमान्य व्यक्तियों के साथ डॉक्टरों का एक समूह में डॉ.एस.सी. खरे, डॉ. पीयूष गुरू गोस्वामो, डॉ. के.सी देबनाथ, डॉ. एस.एस. सब्बरवाल,

डॉ. बी.पी.सिन्हा भी उपस्थित थे। यह शिविर सुबह 6:30 और सायं 7:00 बजे दिनांक 19 जून 2017 तक आयोजित हैं, जिसमें नगरवासी सादर आमंत्रित हैं।

मानवीय सेवा में, ब्रह्माकुमारी रूकमणी